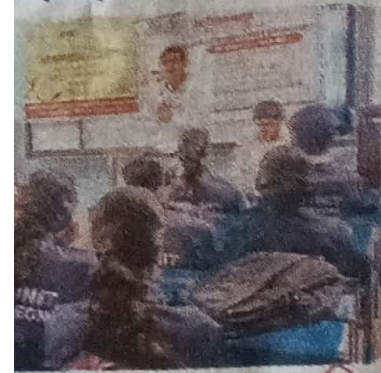


यंत्रण समिति ने एचआईवी से बचाव की जानकारी दी



वारासिवनी @ पत्रिका. शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय वारासिवनी में 02 सितंबर को एचआईवी एड्स जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला बालाघाट के निर्देशानुसार राज्य एड्स नियंत्रण समिति ने यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य एसएस गेडाम के मार्गदर्शन और रेड रिबन क्लब प्रभारी कृष्णा पराते के नेतृत्व में किया। कार्यक्रम में लेब

टेक्निशियन आईसीटीसी केंद्र सिविल अस्पताल वारासिवनी के सुनील धामने ने बताया कि यह सघन जागरूकता अभियान 12 अगस्त से 12 अक्टूबर 2026 तक पूरे मध्यप्रदेश में चलेगा।

उन्होंने छात्र-छात्राओं को एचआईवी के सामान्य लक्षण, फैलने के कारण, बचाव और उपचार पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। धामने ने बताया कि एचआईवी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करता

है और एड्स इसी संक्रमण का अंतिम चरण है। असुरक्षित यौन संबंधित संक्रमित सुई या रक्त के इस्तेमाल तथा संक्रमित गर्भवती महिला बच्चे में यह फैल सकता है। आईसीटीसी केंद्र में निश एआरटी दवाओं से वायरस नियंत्रित किया जा सकता है। धामने ने बताया कि एड्स लाइव है, बचाव ही उपचार है। एचआईवी संबंधी जानकारी के लिए 1099 संपर्क करें।

शंकर साव पटेल महाविद्यालय में एचआईवी एड्स जागरूकता अभियान आयोजित

दिव्य एक्सप्रेस/वारासिवनी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के निर्देशन तथा राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वावधान में 2 सितंबर 2026 को शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय वारासिवनी में कार्यालय सघन एचआईवी-एड्स जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस. गेडाम के मार्गदर्शन एवं रेड रिबन क्लब प्रभारी कृष्णा पराते के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सिविल अस्पताल वारासिवनी के आईसीटीसी केंद्र में पदस्थ लैब टेक्नीशियन सुनील धामने उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए बताया कि सघन जागरूकता अभियान 12 अगस्त 2026 से 12 अक्टूबर 2026 तक पूरे मध्यप्रदेश में चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से एचआईवी संक्रमण के सामान्य लक्षण, संक्रमण फैलने के कारण, बचाव एवं उपचार के संबंध में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। श्री धामने ने बताया कि एचआईवी एक वायरस है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करता है, जबकि एड्स एचआईवी संक्रमण की उन्नत अवस्था है। उन्होंने एचआईवी संक्रमण के प्रमुख कारणों के बारे में जानकारी देते हुए असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई का उपयोग, संक्रमित रक्त चढ़ाना तथा संक्रमित गर्भवती



महिला से उसके बच्चे में संक्रमण पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आईसीटीसी केंद्र के माध्यम से आवश्यक जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध है तथा एआरटी दवाओं के माध्यम से एचआईवी संक्रमण को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है। रेड रिबन क्लब प्रभारी कृष्णा पराते ने विद्यार्थियों को एचआईवी-एड्स से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि जागरूकता और सावधानी ही संक्रमण से बचाव का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने एचआईवी से संबंधित जानकारी, परामर्श एवं सहायता के लिए टोल फ्री नंबर पर संपर्क करने की जानकारी भी दी। इस दौरान विद्यार्थियों को एचआईवी-एड्स से संबंधित शासकीय जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ रेड रिबन क्लब के सदस्य रजत सिरसाम, टीना बाहेश्वर, रूद्र प्रताप, मिताली चौधरी, शिवानी, प्रीति बिसेन, आकांक्षा, रोहिणी, श्रुति, करुणा, मासूम सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सत्र - 2022-

से 01

पृ0क्र0